नव भारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

विश्वास और उम्मीद से भरा नया वर्ष

नववर्ष के द्वार पर खड़ा 2026 भारत के लिए केवल कैलेंडर का परिवर्तन नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संभावनाओं और नवप्रस्थान का संकेतक प्रतीत होता है. पिछले वर्षों की चुनौतियों और उपलब्धियों के बीच आगे बढ़ते हुए भारत आज जिस मुकाम पर खड़ा है, वहां उसकी आर्थिक ऊर्जा, तकनीकी प्रगति और वैश्विक पहचान, तीनों एक साथ परिपक्व होती दिखाई देती हैं. यह वही क्षण है जहां विकास केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय आत्मबोध का हिस्सा बन जाता है. भारत की अर्थव्यवस्था 2026 में स्थिरता और गति, दोनों का संतुलित संगम प्रस्तुत कर सकती है. विनिर्माण, सेवाओं, अवसंरचना और निर्यात का संयुक्त विस्तार देश की विकासयात्रा को नया आयाम दे रहा है. व्यापार में वृद्धि और वैश्विक सप्लाई-चेन का पुनर्संतुलन भारत को एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में स्थापित कर रहा है. आर्थिक आकार के विस्तार से आगे बढ़ते हुए अब राष्ट्र की प्राथमिकता यह है कि विकास के लाभ समाज के अधिकाधिक वर्गों तक पहुंचें, यही प्रगति का सच्चा स्वरूप है.

विश्व मंच पर भारत की उपस्थिति आज पहले से अधिक सशक्त और गरिमामयी है. वैश्विक दक्षिण की आवाज़ को अभिव्यक्ति देने में भारत की भूमिका निर्णायक बन चुकी है. जलवायु सहयोग, डिजिटल अवसंरचना, आपदा प्रबंधन और बहुपक्षीय संवाद के क्षेत्रों में भारत एक पुल, एक सेतु, एक समन्वयकारी शक्ति के रूप में उभर रहा है. यही कूटनीतिक संतुलन 2026 को आशा का वर्ष बनाता है. सामरिक और रक्षा मोर्चे पर भारत की तैयारी आत्मनिर्भरता की दिशा में गहन संवर्धन का संकेत देती है. स्वदेशी रक्षा उत्पादन, नौसैनिक विस्तार, साइबर और स्पेस-डिफेंस क्षमताओं का विकास,यह सब केवल सुरक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय तकनीकी स्वाभिमान का विस्तार है. पड़ोसी भौगोलिक चुनौतियों के बीच भारत सजग, संयमित और दूरदर्शी नीति के साथ आगे बढ़ रहा है. डिजिटल इंडिया की परिकल्पना अब एक जीवंत सामाजिक परिवर्तन में रूपांतरित हो चुकी है. डिजिटल भुगतान, जनसेवा पोर्टल, नव प्रवर्तन आधारित स्टार्टअप इकोसिस्टम, ये सब नागरिक सशक्तिकरण के नए अध्याय रच रहे हैं. इसी के साथ अंतरिक्ष विज्ञान, एआई और अनुसंधान क्षेत्रों में भारत की उन्नत यात्रा आने वाले वर्षों की नींव मजबूत करती है. शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के मोर्चे पर भी देश एक लयबद्ध सुधार प्रक्रिया से गुजर रहा है. कौशल-विकास, टेली-हेल्थ और उच्च शिक्षा सहयोग जैसे कदम सामाजिक विकास के नये द्वार खोलते हैं. यह सही है कि अभी चुनौतियां शेष हैं, परंतु यह भी उतना ही सत्य है कि राष्ट्र उन चुनौतियों का सामना अवसर में बदलने की क्षमता अर्जित कर चुका है.

विश्व परिदृश्य की ओर दृष्टि डालें तो 2026 आंशिक शांति और पुनर्संतुलन का वर्ष बन सकता है. खाड़ी क्षेत्र में संवाद आधारित समाधान, रूस-यूक्रेन संघर्ष में वार्ता की संभावनाएं, और इंडो-पैसिफिक में शक्ति-संतुलन, ये संकेत बताते हैं कि दुनिया धीरे-धीरे टकराव से सहयोग की ओर बढ़ना चाहती है. वैश्विक अर्थव्यवस्था की गति भले नियंत्रित रहे, पर तकनीक, हरित ऊर्जा और नवाचार नए विकास इंजन बनकर उभर रहे हैं. कुल मिलाकर 2026 भारत और विश्व के लिए आशा का वर्ष इसलिए है क्योंकि यह केवल उपलब्धियों का वर्ष नहीं होगा, बल्कि मानवीय विश्वास, सहअस्तित्व और साझा भविष्य के संकल्प का वर्ष हो सकता है. भारत की विकासयात्रा अब केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, नैतिक और सामाजिक आत्मविश्वास की यात्रा भी है. यही विश्वास हमें यह कहने का साहस देता है कि आने वाला समय अवसरों का समय होगा, बशर्ते हम अपने भीतर की ऊर्जा, विवेक और राष्ट्रीय एकजुटता को साथ लेकर आगे बढ़ें.

एबीएन-ऑरेंज इकोनॉमी के लिए डिजिटल राजमार्ग

डॉ. दिलीप सिंह

1 मई, 2025 को भारत के प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि भारत में ऑरेंज इकोनॉमी का उदय हो रहा है. संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास समिति के अनुसार, रचनात्मक अर्थव्यवस्था रचनात्मक उद्योगों के सभी पहलुओं का योग है, जिसमें व्यापार, श्रम और उत्पादन शामिल हैं.

ऑरेंज इकोनॉमी, जिसे रचनात्मक या डिजिटल अर्थव्यवस्था भी कहा जाता है, अर्थशास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों को नहीं बदलती है. बल्कि, यह दो प्रमुख तंत्रों - लागत में कमी और सशक्तिकरण- के माध्यम से आर्थिक प्रक्रियाओं को नया रूप देती है. डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाकर, ऑरेंज इकोनॉमी लेन-देन लागत, प्रतिकृति लागत, उत्पादन लागत और आपूर्ति श्रृंखला लागत को काफी कम कर देती है. साथ ही, यह भौगोलिक और सामाजिक सीमाओं से परे व्यक्तियों और समुदायों को राष्ट्रीय आर्थिक विकास में सक्रिय रूप से भाग लेने में सक्षम बनाती है. लिंग, जाति, भूगोल, वर्ग आदि द्वारा निर्धारित पारंपरिक सीमाओं को पार करते हुए, इंटरनेट सामाजिक, क्षेत्रीय और आर्थिक विभाजनों से परे रचनाकारों को सशक्त बनाता है. इससे रचनात्मक उद्योगों में सामाजिक संपर्कों या शहरी पहुंच के बिना भी अपार संभावनाएं खुलती हैं.

> डिजिटल शिक्षा में सुधार राज्य की प्राथमिक जिम्मेदारी है, क्योंकि पर्याप्त कौशल और जागरूकता के बिना सार्थक डिजिटल समावेशन संभव नहीं है. इसके अलावा, डिजिटल शिक्षा के बिना, वित्तीय समावेशन भी एक दूर का लक्ष्य बना हुआ है. यहां भी एबीएन परियोजना ग्रामीण शिक्षा को समर्थन देकर इस चुनौती का समाधान करने में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकती है. प्रत्येक विद्यालय को मुफ्त एफटीटीएच कनेक्टिविटी प्रदान करके, केंद्रीकृत व्याख्यान हब स्थानों से दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाए जा सकते हैं. यह दृष्टिकोण न केवल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करेगा बल्कि लागत को भी काफी कम करेगा, जिससे डिजिटल समावेशन में तेजी आएगी और ग्रामीण छात्रों को ऑरेंज इकोनॉमी में भाग लेने के लिए सशक्त बनाया जा सकेगा.

2022-23 में, भारत की अर्थव्यवस्था का सकल घरेलू उत्पाद में 11.74 प्रतिशत का योगदान रहा, जो लगभग 31.64 लाख करोड़ था. यदि पूरे देश में नेट न्यूट्रैलिटी द्वारा समर्थित सार्थक और सार्वभौमिक डिजिटल कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जाती है, तो इस योगदान में काफी वृद्धि होने की संभावना है. लगभग 1 अरब स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं और लगभग 9 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के साथ, भारत रचनात्मक उद्योगों के लिए एक विशाल बाजार प्रदान करता है. हालांकि, भारत में रचनात्मक उद्योगों के विकास में चुनौतियां भी हैं. आबादी का एक बड़ा हिस्सा, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, अभी भी इंटरनेट और डिजिटल साक्षरता से वंचित है. मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में दूरसंचार घनत्व 50% से कम है, जबकि ग्रामीण कवरेज 95% से अधिक है. व्यापक इंटरनेट पहुंच के बावजूद, मध्य प्रदेश के 30% से भी कम लोग डिजिटल रूप से साक्षर हैं. डिजिटल साक्षरता की कमी न केवल डिजिटल रचनात्मक क्षेत्रों में भागीदारी को सीमित करती है, बल्कि मध्य प्रदेश की समृद्ध अर्थव्यवस्था की पूर्ण विकास क्षमता में भी बाधा डालती है. विश्व स्तर पर इस अनिवार्यता को पहचानते हुए, अंतरर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ ने 2020-2030 को कार्रवाई का दशक घोषित किया है, जिसका लक्ष्य 2030 तक प्रत्येक घर को सार्वभौमिक और सार्थक कनेक्टिविटी प्रदान करना है. भारत में, इस लक्ष्य को भारत सरकार के सार्वभौमिक सेवा दायित्व जनादेश के माध्यम से साकार किया जा रहा है, जिसके तहत डिजिटल भारत निधि के माध्यम से व्यावसायिक रूप से अव्यवहार्य क्षेत्रों में कनेक्टिविटी के लिए वित्त पोषण किया जाता है. इस जनादेश के तहत एक प्रमुख पहल संशोधित भारतनेट (एबीएन) परियोजना है.यह परियोजना सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत कार्यान्वित की जा रही है, जिसमें बीएसएनएल संरक्षक और कार्यवाहक की भूमिका निभा रहा है. मध्य प्रदेश लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र राज्य सरकार के साथ मिलकर निगरानी और समन्वय एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है.

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा डिजिटल रूप से डिज़ाइन किए गए राइट ऑफ वे पोर्टल के विकास के लिए विशेष प्रशंसा की जानी चाहिए, जिसने परियोजना कार्यान्वयन को काफी सुगम बनाया है. मध्य प्रदेश मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्र है, जिसकी 80% से अधिक आबादी ग्रामीण है, जिसमें लगभग 23,000 ग्राम पंचायतों में विभाजित 55,000 से अधिक गाँव शामिल हैं. एबीएन परियोजना का मुख्य उद्देश्य सभी ग्राम पंचायतों को एक रिंग-आधारित फाइबर नेटवर्क से जोड़ना है, जिससे विश्वसनीयता और समावेशिता सुनिश्चित हो सके. ताकि प्रत्येक व्यक्ति को राज्य की डिजिटल और आर्थिक यात्रा में समान अवसर मिल सके.

(लेखक आईटीएस अधिकारी, एमपीएलएसए-भोपाल में निदेशक के रूप में कार्यरत, के विचार व्यक्तिगत हैं)

महाकौशल की डायरी

सांसद खेल महोत्सव से खिलाड़ियों का मोह भंग क्यों...?

अविनाश दीक्षित

फिट इंडिया एवं खेलो इंडिया की राष्ट्रीय संकल्पना को धरातल पर साकर करने और लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, सांसद आशीष दुबे द्वारा कही गई जबलपुर से अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के बाहर निकलने की बातों के साथ 3 दिवसीय सांसद खेल महोत्सव रानीताल ग्राउंड में संपन्न तो हो गया लेकिन ये आयोजन अपने पीछे खिलाड़ियों की कसक छोड़ गया. नतीजा ये हुआ कि सोशल मीडिया में सांसद खेल महोत्सव में विजयी खिलाड़ियों ने वीडियो अपलोड कर अपनी व्यथा सुनाई और आरोप लगाए कि आयोजन के पहले विजेता खिलाड़ियों व टीम को 21 हजार रुपए की इनामी राशि, प्रमाण पत्र व मैडल दिए जाएंगे लेकिन समापन के बाद विजयी खिलाड़ियों को 300, 500 और 1 हजार रुपए के लिफाफे पकड़ा दिए गए जिसके बाद खिलाड़ियों का आक्रोश भड़क उठा और उन्होंने जिला खेल अधिकारी आशीष पांडे को ये लिफाफे, मैडल व प्रमाण पत्र वापस कर दिए. मामला यहीं तक थमने वाला नहीं था खिलाड़ियों की मानें तो जिला खेल अधिकारी ने उनसे ये तक कह दिया कि जो मिला है उसे रख लो नहीं तो उन सभी का खेल कैरियर बर्बाद कर दूंगा.

इस धमकी के बाद खिलाड़ियों का समूह भयभीत हो गया और फिर यही समूह सपोर्ट मांगने सोशल मीडिया का सहारा लेने लगा. मामले में जिला खेल अधिकारी आशीष पांडे ने यह कहकर विराम लगा दिया कि खिलाड़ियों को इनाम की राशि को लेकर भ्रम हुआ था. अपने साथ हुई ठगी के बाद विजयी खिलाड़ियों ने ये तो स्पष्ट कह दिया कि अब जबलपुर में दोबारा सांसद खेल महोत्सव हुआ तो वह इस आयोजन में शिरकत नहीं करेंगे. हैरानी तब भी हुई जब सांसद आशीष दुबे ने मामला उठने के बाद जांच के निर्देश तो दिए लेकिन कई दिन गुजर जाने के बाद ये जांच कहां अटक गई, इसका कोई सुराग सामने नहीं आया, जिस पर खिलाड़ियों ने सांसद के बारे में कह दिया कि सांसद महोदय ये चुप्पी आपकी ठीक नहीं है.

प्रतिनियुक्ति पर आए और अंगद की तरह जमा लिए पैर....

नगर-निगम जबलपुर में पता नहीं ऐसा क्या है कि दूसरे जिलों से प्रतिनियुक्ति पर आने वाले अधिकारी-कर्मचारी अगर यहां आ गए तो वापस अपने मूल विभाग में कभी नहीं जाते. जबकि कुछ साल पूर्व प्रदेश सरकार ने अधिकारी-कर्मचारियों को दूसरे विभाग या दूसरे जिले में प्रतिनियुक्ति पर भेजने के फैसले पर रोक लगा दी थी और निर्देश जारी किये थे कि प्रतिनियुक्ति पर आने वाले कर्मचारी अधिकारी को उनके मूल विभाग में भेजा जाये लेकिन नगर निगम जबलपुर में ये देखा जा रहा है कि सालों से प्रतिनियुक्ति पर आए कई अधिकारी-कर्मचारी अंगद के पैर की तरह कुर्सी पर जमाए हुए हैं.

कागजों में 14, हकीकत में कुछ और...

जबलपुर के जिला अस्पताल विक्टोरिया में स्वास्थ्य व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बर्फानी सिक्योरिटी सर्विसेस ने ऐसा कारनामा किया जिसने अस्पताल प्रबंधन की साख पर बट्टा लगा दिया. साख इसलिए भी खराब हुई क्योंकि अस्पताल प्रबंधन ठेका कंपनी का भ्रष्टाचार सामने आने के बाद भी उसकी तरफदारी करते नजर आए. हुआ यूं कि सीएमएचओ डॉ. संजय मिश्रा जिला अस्पताल विक्टोरिया के औचक निरीक्षण पर निकले तो ड्यूटी पर तैनात एक सुरक्षा गार्ड ने कलई खोलते हुए साहब से कहा कि अस्पताल में सिर्फ दो ही सुरक्षा गार्ड ड्यूटी करते हैं. ये सुनकर साहब ने जब कागजों को चैक किया तो सामने आया कि ठेका कंपनी अस्पताल में 14 सुरक्षा कर्मियों का वेतन हर महीने लेकर सरकारी खजाने को खाली कर रही है जबकि हकीकत में दो गार्ड ही नौकरी कर रहे हैं. आनन-फानन में सिविल सर्जन द्वारा बर्फानी सिक्योरिटी सर्विसेस को नोटिस जारी किया गया और जवाब तलब किया गया. इस खुलासे ने स्वास्थ्य विभाग के सभी जिम्मेदारों के पैरों के नीचे की जमीन खिसका दी. ठेका कंपनी ऐसा भ्रष्टाचार कितने सालों से कर रही है ये कह पाना फिलहाल मुश्किल है क्योंकि मामला जांच की जद में है मगर यह देखना दिलचस्प होगा कि कार्रवाई कहां तक पहुंच पाती है. सूत्रों पर यकीन करें तो सीएमएचओ ने अस्पताल प्रबंधन प्रमुख को भी तलब किया है. कयास लगाए जा रहे हैं कि कार्रवाई की आंच कई लोगों के गिरेबान तक जा सकती है. इस अस्पताल का एक अन्य मामला काबिलेगौर है जिसमें शौचालयों में लगी सफाई लिस्ट भी विगत अक्टूबर माह से नहीं बदली गई है, जाहिर है कि सफाई कर्मचारी सिर्फ हाजिरी लगाने ही अस्पताल आते हैं. विदित हो कि शहर के कई वार्डों में सफाई व्यवस्थाओं में लापरवाही बरतने पर बर्फानी सिक्योरिटी सर्विसेस का ठेका तक निगमायुक्त द्वारा निरस्त कर दिया गया है और ये ठेका कंपनी लापरवाही और भ्रष्टाचार के लिए शहर में मशहूर हो चुकी है.

नए वर्ष से कौनसी उम्मीद रखें

अनिश्चितता और विरोधाभास से भरा पिछला वर्ष बीत गया. नए वर्ष 2026 पर उसकी छाया रहेगी, क्योंकि विश्व के सामने ऐसे अनेक प्रश्न हैं जो अनसुलझे पड़े हैं. अमेरिका ने भारी भरकम टैरिफ लादकर हमारे निर्यात व्यापार को गहरी चोट पहुंचाई है. ऐसा प्रयास होना चाहिए कि ऐसा द्विपक्षीय व्यापार समझौता हो जो भारत के आर्थिक हितों के अनुकूल हो. रूस-यूक्रेन युद्ध कब समाप्त होगा, कहा नहीं जा सकता. समझौता कराने के ट्रंप के प्रयास सफल नहीं हो पाए. विश्व में कहीं भी युद्ध हो, वह अनेक देशों की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है. इजराइल ने गाजा में भयानक विनाशलीला की लेकिन यूएन कुछ नहीं कर पाया. यह विश्व संगठन अमेरिका के खिलाफ नहीं जाता क्योंकि उसी के अनुदान पर उसका काम चलता है. इतने वर्षों में भारत सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट से वंचित है. क्या नए साल में कुछ हो सकता है? भारत के सामने चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की गंभीर चुनौती है. नेपाल को भी चीन भारत के खिलाफ बरगलाता रहता है. नए वर्ष में किसी बदलाव के आसार कम ही नजर आते हैं. सोना-चांदी के रिकार्ड तोड़ दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये का बुरी तरह गिरना अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय है. क्या भारत, रूस व चीन अपनी मुद्राओं में व्यापार कर डॉलर का विकल्प खोज निकालेंगे? आज भारत के पास युवा शक्ति है लेकिन उसके पास काम नहीं है. एआई की चुनौती कितने ही जॉब कम कर सकती है. विद्यार्थी व लेखक भी मौलिक लेखन की बजाय एआई पर निर्भर होते चले जा रहे हैं. समय के साथ कदमताल करते हुए एआई तथा क्वांटम कंप्यूटिंग में निवेश बढ़ाना होगा. वायु प्रदूषण की गंभीर चुनौती से देश की राजधानी जूझ रही है. देश के पिछड़े इलाकों से रोजगार की तलाश में लोग बड़ी तादाद में पलायन करते हैं. इसका हल सोचा जाना चाहिए. सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा का विकास कर कोयला या पेट्रो उत्पादनों का इस्तेमाल यथासंभव कम करना होगा. पूर्वोत्तर के लोग अन्य राज्यों में हिंसा के शिकार हो रहे हैं. नस्ल विरोधी कानून बनाकर उन्हें संरक्षण दिया जाए.

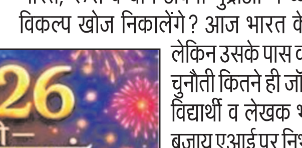

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

पार्टी में कौन मिलेगा त्यागी अब हर तरफ दिखेंगे बागी

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, चुनावी राजनीति की बगिया में बगावत के शोले धधकने लगे हैं. जिसे टिकट नहीं मिला वह या तो हताश हो गया या बागी बन गया. कार्यकर्ता अपना सेवा का गुणधर्म भूल गए हैं. अपना मतलब पूरा नहीं हुआ तो आंखें तरेरने लगे.'

हमने कहा, 'पार्टी हर कार्यकर्ता के मन की मुराद पूरी नहीं कर सकती. जब एक सीट के लिए 10 उम्मीदवार दावा करें तो पार्टी के सामने सवाल उठता है-इतनी बड़ी महफिल है ये दिल इसको दूं या उसको दूं ! नेता हर उम्मीदवार के लिए दिलदार नहीं बन सकते. ऐसी हालत में फ्रस्ट्रेटेड कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ करने लगे हैं. यह अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसी बात है.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, जिन्हें पार्टी ने टिकट नहीं दिया, उनकी हालत ऐसी हो गई कि दिल के अरमां आंसुओं में बह गए, हम भरी दुनिया में तन्हा हो गए. ऐसे असंतुष्ट कार्यकर्ताओं को श्रद्धा और सबूरी रखनी चाहिए. जो पहले कॉर्पोरेटर रह चुके हैं उन्हें नए चेहरों के लिए जगह खाली करने की उदारता दिखानी चाहिए. इनमें ऐसे लोग हैं जिन्होंने प्रशासक राज के दौरान अपने वॉर्ड में झांककर भी नहीं देखा.'

हमने कहा, 'राजनीति ऐसा फलता-फूलता धंधा है जिसमें लोग वन टू का फोर करते हुए करोड़ों रुपये कमा लेते हैं फिर भी जनसेवी होने का मुखौटा लगाते हैं. इनमें से कितने ही रंगे सियार होते हैं. ये पब्लिक है, सब जानती है, अंदर क्या है बाहर क्या है, सब पहचानती है.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, यह कैसा अन्याय है कि बाहर से पार्टी में आए दलबदलुओं को उम्मीदवार बनाया गया और निष्ठावानों को ठुकराया गया. सभी तरफ यह हाल है. ऐसे में कार्यकर्ता क्या करें?'

हमने कहा, 'उन्हें समझना चाहिए कि धीरज का फल मीठा होता है. नेता जो कदम उठाते हैं, उसके पीछे दूरदृष्टि रहती है. भाषण में सिद्धांतवाद की बात करते हैं लेकिन व्यवहार में अवसरवाद अपनाते हैं.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, संक्रांत में पतंग काटने के अलावा पार्टी के बागी अधिकृत उम्मीदवार के वोट काटने का काम कर सकते हैं. वह कहेंगे- तुम भी वफादार नहीं, हम भी तो दिलदार नहीं.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12129

- डॉ. सागर खादीवाला

1		2	3	■	4		5
	■	6		7		■	
8		■	9			10	■
	■	11	■	12			13
14				■	■	■	
■	■		■	15	16	■	
17	18	■	19			20	
21				■	22		

बाएं से दाएं

1. बुदबुदा, पानी का बुल्ला 4. भुकड़ी, फलों आदि पर उत्पन्न होने वाली सफेद काई 6. द्रव पदार्थ के नीचे बैठने वाला मैल 8. पुत्र 9. कला का ज्ञाता, अभिनेता 12. वारांगना 14. धनवान 15. सिर के बालों को संवारकर बनाई गई रेखा 17. पत्ता, गिरना 19. मनुष्य की ऊंचाई के बराबर (उर्दू) 21. वर-वधू द्वारा अग्नि के सात फेरे लगाना 22. नमस्कार, प्रणाम

ऊपर से नीचे

1. भगवान गौतम बुद्ध के जन्मदिन पर मनाया जाने वाला उत्सव 2. मूर्ति, प्रतिमा (उर्दू) 3. दुलार-प्यार करने वाला, विदूषक (सं.) 4. डांट, घुड़की 5. चिराग 7. धोखा, भ्रम 10. शोर, हल्ला, आवाज, ध्वनि 11. जो संकीर्ण हृदय न हो, दानशील 13. होली के अवसर पर रंग-गुलाल खेलना 15. जंगली जानवर के रहने का स्थान, गुफा 16. प्रस्थान, जाना 17. निकट, समीप, नजदीक (उर्दू) 18. गरम, तपा हुआ 19. अभ्यस्त, आदत वाला (उर्दू) 20. अल्प, थोड़ा (उर्दू)

Solution 12128

नी	ला	क	र	ना	■	द	र्द
हा	य	■	ब	द	मा	श	■
र	क	म	■	■	शा	म	त
■	■	ली	प	ना	■	ल	र
स	र	दा	र	■	शा	व	क
ल	स	■	दा	ह	क	■	श
ह	रा	मी	■	त्या	■	पा	■
ज	ज	■	स	रा	ह	नी	य

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में मित्र से भेंटवार्ता होगी, आर्थिक सहयोग मिलेगा, शिक्षा के क्षेत्र में अचानक यात्रा होगी, वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यो में मन नहीं लगेगा, व्यापार व्यवसाय में व्यर्थ भागदौड़ एवं व्यय में वृद्धि होगी, मित्र के कारण तनाव रहेगा, वर्ष के अन्त में प्रतिष्ठा एवं यश में वृद्धि होगी, घरेलू कार्यो में व्यस्तता रहेगी, खर्च पर नियंत्रण रखें.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को लाभ प्राप्त होने का योग है, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को मान सम्मान बढ़ेगा, शिक्षा के क्षेत्र में वृद्धि होगी, मान सम्मान बढ़ेगा, पारिवारिक जीवन सुखमय बना रहेगा, यात्रा का योग है,कर्क और सिंह राशि के व्यक्तियों की शत्रुओं के षडयंत्र से सतर्कता बांछनीय, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को संयम से कार्य करना हितकर रहेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों का बचपन की मित्रता का लाभ प्राप्त होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों का साहस बना रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बालक सुंदर, सुशील, व्यक्तित्वान होगा, शरीर से कोमल तथा भावुक होगा, दूसरों को शीघ्र ही अपनी ओर आकर्षित करने में सफ्ल होगा. पिता का भक्त होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

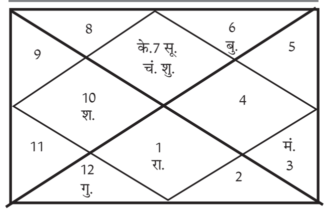

पंचांग

रा.मि. 12 संवत् 2082 पौष शुक्ल चर्तुदशी शुक्रवासरे शाम 6/12, मृगशिरा नक्षत्रे रात 7/54, शुक्ल योगे दिन 1/4, गर करणे सू.उ. 6/46, सू.अ. 5/14, चन्द्रचार वृषभ दिन 8/42 से मिथुन, पर्व-पूर्णिमा व्रत, शु.रा. 3,5,6,9,10,1 अ.रा. 4,7,8,11,12,2 शुभांक-5,7,1.

व्यापार भविष्य

पौष शुक्ल चर्तुदशी को मृगशिरा नक्षत्र के प्रभाव से रूई, कपास, चांवल, चांदी, नमक सरसों अलसी लाख गेहूं, जौ, चना के भाव में वृद्धि होगी, गुड, खांड के भाव मे साधारण उठाव आयेगा. भाग्यांक 2612 है.

मेष- मित्र मण्डली के सहयोग से काम में आसानी होगी, अपनों का व्यवहार दुखी करेगा. वाहन चलाते समय यथेष्ठ सतर्कता वांछनीय. यश प्रतिष्ठा बनी रहेगी.

वृषभ- विवादित मामले आपकी पहल से हल हो सकते हैं, अनुभवी लोगों से लाभ होगा, साहस पराक्रम में वृद्धि होगी, मान सम्मान प्राप्त होगा, पुरानी समस्या हल होगी.

मिथुन- व्यापारिक लेनदेन के पुराने मामले सुलझने से मन में संतोष रहेगा, कौटूम्बिक मामलों में सावधानी रखें, संतान की चिंता रह सकती हैं.

कर्क- भाग्योदय के अवसर मिलेंगे, सहयोगियों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, मन में संतोष रहेगा, परिश्रम की अधिकता रहेगी, मान सम्मान प्राप्त होगा.

सिंह- कार्यस्थल पर अपमान का भय है, तनाव की स्थिति में फैसला नहीं ले पायेंगे. राजकीय क्षेत्र में यश और प्रतिष्ठा बढ़ेगी. अच्छे अवसरों का लाभ मिलेगा.

कन्या- जोखिम के कायों से दूर रहें, व्यापारिक साझेदारी लाभदायी हो सकती है, अनसोचे कार्यों में व्यस्तता रहेगी, झूठ आरोपों से बचें.

तुला- अनुभवी लोगों का साथ लाभकारी रहेगा, प्रापर्टी संबंधी कार्य बनेंगे, राजकीय क्षेत्र में सफ्लता प्राप्त हागी, पारिवारिक मतभेदों से बचें. समय पर लाभ प्राप्त होगा.

वृश्चिक- निर्धारित कार्यक्रम में बदलाव से परेशानी होगी, साझेदारी से लाभ होगा, धार्मिक एवं आर्थिक कार्य बनेगा, मन में शांति और संतोष का अनुभव होगा.

धनु- अटकी तरक्की मिलने का योग है, खोई हुई प्रतिष्ठा हासल करने में सफ्ल होंगे, जकर्क जायजाद के कार्यो में सफ्लता मिलेगी, निजी पुरूषार्थ बना रहेगा.

मकर- रूकी योजनाओं पर खर्च की संभावना है, व्यापार व्यवसाय को आगे बढ़ाने का प्रयास करें, मांगलिक कार्यों पर विचार होगा.

कुम्भ- अधिकारियों के मेलजोल का लाभ मिलेगा, कारोबारी यात्रा सफ्ल रहेगी,कार्य में परिश्रम अधिक करना होगा, मानसिक रूप से सुख और संतोष का अनुभव होगा.

मीन- समय पर कार्य पूरा न होने पर निराशा होगी, भाग्य के भरोसे अवसर गवां देंगे, पारिवारिक मतभेद रहेगा, यथेष्ठ सावधानी रखकर कार्य करें, संयम रखें.

SUDOKU 7261

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7260

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9